भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

वर्ष 2015-16 के लिए पऊवि विज्ञान अनुसंधान परिषद अवार्ड

पऊवि विज्ञान अनुसंधान परिषद (डीएई एसआरसी) एक निकाय है जिसमें प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शामिल हैं। इसकी स्थापना भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए नयी दिशा देने हेतु पऊवि के हित में विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में प्रगत अनुसंधान को मान्यता तथा प्रोत्साहन देने हेतु की गयी है।

वर्ष 2015-16 के लिए पऊवि-विज्ञान अनुसंधान परिषद उत्कृष्ट अन्वेषक (डीएई-एसआरसी-ओआई) अवार्ड योजना हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं।

(ए) इसका मुख्य उद्देश्य परमाणु ऊर्जा विभाग के हित एवं इसकी प्रगति से संबंधित विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में प्रगत अनुसंधान का अनुसरण करने के लिए एकदम नये विचारों एवं सिद्ध क्षमतावाले वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों को सहायता में वृद्धि करना है।

(बी) संबंधित व्यक्ति विशिष्टों की दीर्घकालीन रूचि तथा उनकी सिद्ध क्षमता को देखते हुए मूल तथा अनुप्रयुक्त अनुसंधान दोनों में सहायता की जाएगी। मूल अनुसंधान प्रस्ताव, अग्रणी जर्नलों के प्रशंसनीय प्रकाशकों में प्रकाशित होने के अलावा, तथ्य के आशय को बेहतर बनाने में भी कारगर होने चाहिए। अनुप्रयुक्त अनुसंधान के संदर्भ में, यह क्षेत्र इस तरह होना चाहिए जिसमें नयी प्रौद्योगिकी हेतु विवेकपूर्ण तात्पर्य प्रकट हो।

(सी) जहां कहीं नये उत्पाद अथवा अनूठी प्रक्रिया का पता लगाया जाता है, तो ऐसे वैज्ञानिक नवीनीकरण को संबंधित उत्पाद अथवा प्रक्रिया में अंतरित करने हेतु विशेष निधि उपलब्ध करायी जाएगी।

(डी) इस अनुसंधान से प्राप्त किसी नए उत्पाद/अनूठी प्रक्रिया पर पऊवि का एकमात्र अधिकार होगा। इस अवार्ड के तहत दिये गये अनुदान से पूरे किए गए अनुसंधान कार्य से प्राप्त सभी प्रकार के पेटेन्ट, अधिकार, डिजाइन तथा अभिनव परिवर्तन परमाणु ऊर्जा विभाग के नियमों/मानकों के अधीन अधिशासित होंगे।

उपरोक्त के समान उद्देश्य रखने वाले व्यक्ति अपना अनुसंधान कार्य (प्रोजेक्ट) इस अवार्ड हेतु प्रस्तुत कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को उनके प्रगत अनुसंधान में गति प्रदान करने के उद्देश्य हेतु अनुसंधान अनुदान प्रदान किया जाता है।

अवार्ड का कार्यक्षेत्र

इस अवार्ड के तहत पांच वर्षों के लिए अधिकतम रु.1 करोड़ की अनुसंधान सहायता प्रदान की जाती है, जिसका उपयोग केवल प्रस्तुत किए अनुसंधान कार्य (प्रोजेक्ट) के अनुसरण के प्रयोजन हेतु ही किया जाएगा। यह अवार्ड अधिकतम पांच वर्षों की अवधि हेतु ही मान्य होगा।

इस अनुसंधान सहायता के अलावा अवार्ड प्राप्तकर्ता को अपने नियोक्ता से प्राप्त होने वाले वेतन के अलावा प्रति माह रु.25000/- की दर से पांच वर्ष के लिए प्रोत्साहन स्वरूप राशि दी जाएगी। किसी मामले में यदि अवार्ड प्राप्तकर्ता किसी अन्य एजेंसियों से कोई अन्य प्रोत्साहन लाभ (निष्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना) प्राप्त कर रहा हो तो उसे इसमें से केवल एक का चयन करना होगा।

उम्मीदवार अपना वेतन प्राप्त करने तथा रिहायशी आवास जैसी सुविधाएं प्राप्त करने हेतु अपने संगठन से जुड़ा रहेगा/रहेगी।

इस निधि को इसके प्रायोजक संस्थान के माध्यम से अवार्ड प्राप्तकर्ता को प्रदान किया जाएगा। यदि अनुसंधान अवार्ड प्राप्तकर्ता इस संबंध में कोई खरीद करना चाहता है तो उसे अपने प्रायोजक संस्थान के मानकों का अनुसरण करना होगा। यदि कोई परिसंपत्ति सृजित की जाती है तो वह परिसंपत्ति प्रायोजक संस्थान की परिसंपत्ति होगी बशर्ते पऊवि द्वारा इस पर विशेष रूप से कोई निर्णय न लिया गया हो।

पात्रता

पऊवि संघटक इकाइयों के तथा इसके साथ-साथ पऊवि के बाहर लेकिन लोक निधित संस्थानों में कार्यरत वैज्ञानिक/इंजीनियर अवार्ड हेतु अपना आवेदन करने के पात्र हैं।

आवेदक की आयु **31 दिसंबर 2015** को 47 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

आवेदकों से अपेक्षित है कि उनके द्वारा उच्च स्तरीय योग्यता का प्रदर्शन किया गया हो। अग्रणी जर्नलों में अनुसंधान प्रकाशन अथवा विकासशील नवीन प्रौद्योगिकी तथा उत्पादों में सफलता आवेदकों से अपेक्षित होगी।

आवेदन प्रक्रिया

आवेदनपत्र निर्धारित प्रपत्र में निम्नलिखित पते पर भेजे जाने चाहिए :

अवर सचिव, नाभिकीय नियंत्रण एवं आयोजना स्कंध,
परमाणु ऊर्जा विभाग, ओवाईसी भवन,
छ. शि. म. मार्ग, मुंबई-400 001.

आवेदकों से अपने आवेदन पत्र में निम्नलिखित को समाहित करने की अपेक्षा की जाती है :

(ए) एक अथवा दो पृष्ठ की विषय-सामग्री (राइट-अप) जो प्रस्तावित अनुसंधान की संगतता तथा महत्ता की प्रस्तावक द्वारा 5 वर्ष के अंत में अपेक्षित उपलब्धियों की विवेचना करती हो तथा परियोजना का शीर्षक, संकाय तथा परियोजना की विषय सामग्री पर समुचित रूप में विशेष रूप से बल दिया गया हो।

(बी) उपस्कर, उपयोज्य तथा अनुसंधान अवसंरचना और अनुसंधान स्टाफ के लिए 5 वर्षों की अवधि में अपेक्षित वित्तीय आवश्यकताएं।

(सी) यात्रा तथा आकस्मिक व्यय जैसी अन्य मदें।
(डी) जीवनवृत्त जिसमें नाम, जन्म तिथि, धारित पद, शैक्षिक तथा व्यावसायिक अर्हताएं, वर्तमान रोजगार का प्रकार, (अवधि सहित स्थायी, अस्थायी अथवा सावधिक पद), ईमेल पता, तथा संपर्क क्रमांक, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित

प्रकाशनों की (पीयर रिव्यूड) सूची, अनुसंधानकर्ता के नाम पर पेटेन्ट, उसे प्राप्त अवार्ड्स तथा विख्यात एजेंसी से प्राप्त मान्यताएं अथवा विख्यात एजेंसी आदि की सदस्यता।

(ई) हाथ में ली गयी परियोजनाएं तथा पूरी की गयी एवं चल रही अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण।

प्रस्ताव, जहां कार्य किया जाना प्रस्तावित है वहां के विभागाध्यक्ष/संस्थान के निदेशक द्वारा प्रायोजित होना चाहिए।

उक्त प्रस्ताव की सॉफ्टकापी निर्धारित प्रपत्र में अवर सचिव, एनसीपीडब्ल्यू, पऊवि को us_ncpw@dae.gov.in ई-मेल आई पर भी भेजी जाए।

चयन प्रक्रिया तथा अन्य आवश्यकताएं

अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग द्वारा गठित एक समिति द्वारा प्रस्ताव का प्रारंभिक छानबीन कार्य किया जाएगा। यदि छानबीन समिति द्वारा प्रस्ताव को चयनित किया जाता है तो आवेदक से विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा। पऊवि, एसआरसी द्वारा नामित विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा प्रस्तुति दिये गये प्रस्ताव की संवीक्षा की जाएगी। संभावित अवार्ड प्राप्तकर्ताओं को व्यक्तिगत रूप से आकर समिति के समक्ष अपने प्रस्तावित कार्य को पुन: प्रस्तुत करने के लिए कहा जा सकता है। (अवार्ड प्राप्तकर्ता, विशेषज्ञों से विचार-विमर्श के आधार पर अपने प्रस्ताव में संशोधन कर सकता है) उक्त परियोजना हेतु अंतिम अनुमोदन पऊवि एसआरसी द्वारा प्रदान किया जाएगा तथा इसका कार्यान्वयन नाभिकीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस) के तहत किया जा सकेगा।

सचिव पऊवि द्वारा गठित एक समिति, अवार्ड प्राप्तकर्ता द्वारा किए जा रहे कार्य की आवधिक पुनरीक्षा करेगी। आगे अनुसंधान सहायता प्राप्तकर्ता से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह परिषद की विशेष रूप से आयोजित पुनरीक्षा बैठकों हेतु अपना प्रस्तुतीकरण तैयार करें। अनुसंधान की पांच वर्ष की अवधि के दौरान कम से कम एक बार इसकी मध्यावधि पुनरीक्षा की जाएगी। परिषद द्वारा इस पुनरीक्षा बैठकों के लिए समुचित विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा।

इस योजना के तहत अन्य प्रावधान

इस सहायता का अवार्ड प्राप्तकर्ता द्वारा राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में पऊवि-एसआरसी परियोजना के परिणामों/निष्कर्षों के प्रस्तुतीकरण हेतु भी उपयोग किया जा सकेगा।

अवार्ड प्राप्तकर्ता को संस्थानों, प्रयोगशालाओं तथा उद्योगों के संपर्क में कार्य करने हेतु सहायता प्रदान की जाएगी। इस सहायता का उपयोग मूल संगठन के अलावा पऊवि-एसआरसी परियोजना के अनुसरण को सुकर बनाने के साथ-साथ देश के भीतर केंद्रों में कार्य को सुकर बनाने हेतु भी किया जा सकेगा। ऐसे प्रावधानों में अवार्ड प्राप्तकर्ता के इस योजना के अंतर्गत अपने अनुसंधान कार्य के सिलसिले में अपने मूल संगठन के बाहर रहने की स्थिति में उसे सहयोगात्मक अनुसंधान एवं यात्रा, भ्रमण फेलोशिप, ट्रांजिट आवास तथा अन्य यथोचित लाभ भी दिया जाना शामिल है।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि : पऊवि में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **14 अगस्त, 2015** है।

इसके खंडों के निर्वचन अथवा इस अवार्ड योजना के कार्यान्वयन के पश्चात यदि इसमें कोई विवाद उत्पन्न होता है तो परमाणु ऊर्जा विभाग का निर्णय अंतिम तथा बंधनकारी होगा।

****

प्रस्ताव हेतु प्रपत्र

वैयक्तिक सूचना (अलग शीट में प्रस्तुत किया जाए)

1. पूरा नाम :_____

2. जन्म तिथि :_____ पूर्ण वर्ष में आयु :_____वर्ष

3. लिंग : पुरूष / महिला

4. शैक्षणिक योग्यता :

सं.	**डिग्री**	**बोर्ड / विश्वविद्यालय**	**वर्ष**	**विषय/संकाय**	**अंकों का प्रतिशत**	**श्रेणी**
क.	हायर सेकेंडरी					
ख.	स्नातक डिग्री					
ग.	स्नातकोत्तर डिग्री					
घ.	अन्य उच्चतर डिग्री (यदि कोई हो तो)					

5. रोजगार का विवरण :
(क. वर्तमान रोजगार का स्वरूप : अवधि के साथ स्थायी, अस्थायी, सावाधिक पद का विवरण ख. यह भी उल्लेख करें कि वर्तमान पद कब से धारित किया है)

6. विशेषज्ञता का क्षेत्र :

7. अनुसंधानकर्ता के नाम से पंजीकृत पेटेंटों की संख्या :
(पंजीकृत पेटेंटों का विवरण संलग्न किया जाए)

8. क: जरनल प्रकाशनों की संख्या : ख. एच-इंडेक्स
{प्रत्येक प्रकाशनों के लिए वर्तमान प्रभाव कारक के साथ प्रकाशनों (समकक्ष समीक्षा) की सूची को संलग्न किया जाए। कृपया सम्मेलन कार्यवाही के शोधपत्रों को शामिल न किया जाए}

9. प्रख्यात संगठनों से प्राप्त कोई अन्य अवार्ड/पुरस्कार/सम्मान :
(कृपया वर्ष तथा अवार्ड के स्वरूप का उल्लेख करें)

10. राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय अकादमियों में सदस्यता का विवरण :

11. पत्राचार हेतु पता

12. ई-मेल टेलीफोन नं.:_____

<u>अनुसंधान प्रस्ताव</u>

1. प्रस्तावित अनुसंधान का बृहत क्षेत्र
(निम्नलिखित में से किसी एक का उल्लेख करें : 1. गणित / कम्प्यूटेशन्स 2. भौतिकी 3. भूविज्ञान 4. रसायन शास्त्र 5. पदार्थ विज्ञान 6. जीव विज्ञान एवं विकिरण चिकित्सा 7. चिकित्सा विज्ञान 8. अभियांत्रिकी विज्ञान)

2. प्रस्ताव का शीर्षक :

3. संस्थान जहां अनुसंधान किया जाएगा :

4. उद्देश्य :

5. प्रस्ताव का सार (उद्देश्य, कार्यक्षेत्र तथा प्रस्तावित कार्यक्षेत्र को समाहित कर लगभग 100 शब्दों में)

6. सुपुर्दगियाँ :

7. वर्षवार तथा उद्देश्यवार व्ययों का चरण :

मद	**वित्त वर्ष 1 का व्यय**	**वित्त वर्ष 2 का व्यय**	**वित्त वर्ष 3 का व्यय**	**वित्त वर्ष 4 का व्यय**	**वित्त वर्ष 5 का व्यय**
उपभोज्य					
पूंजीगत मदें (विवरण प्रस्तुत किया जाए)					
यात्रा (घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय)					
जेआरएफ/अनुसंधान सहायक					

के रूप में वेतन					
अन्य (स्टेशनरी तथा आकस्मिक)					
कुल रू. में					
पांच वर्षों के लिए सकल कुल	रु._____/- (रूपए _____मात्र) (सकल कुल रु. एक करोड़ से अधिक नहीं होना चाहिए).				

दिनांक : (आवेदक के हस्ताक्षर)

प्रस्ताव के विवरण में 3-4 पृष्ठ होने चाहिए जिसमें अपेक्षित विवरण, प्रस्तावित कार्य, वर्षवार योजना तथा इसके साथ-साथ अपेक्षित सुपुर्दगियाँ/उपलब्धियाँ एवं किराए पर लिये गये अस्थायी मानवबल (यदि लागू हो तो) की भूमिका एवं उत्तरदायित्व शामिल किया जाना चाहिए।